

बैठे हो क्यों ओ साँवरे हमसे निगाहें फेर कर भजन लिरिक्स



बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये,
अपने गले लगाइये,
गलती हमारी भूल कर,
अपनी शरण में लीजिये,
बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये।bdi

तर्ज - जाने कहाँ गए वो दिन।

मेरा वजूद कुछ नहीं,
तेरे बिना ओ साँवरे,
पायी है धुप में सदा,
मैंने तुम्ही से छाँव रे,
बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये।bdi

कल भी तुम्हारी आस थी,
अब भी तुम्हारी आस है,
जग की गरज मैं क्यों करूँ,
जब तू हमारे पास है,
बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये।bdi

पुतले हैं पाप के प्रभु,
आखिर तो हम इंसान हैं,
क्या है गलत और क्या सही,
'माधव' हमें ना ज्ञान है,
बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये।bdi



बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये,
अपने गले लगाइये,
गलती हमारी भूल कर,
अपनी शरण में लीजिये,
बैठे हो क्यों ओ साँवरे,
हमसे निगाहें फेर कर,
कुछ तो इशारा कीजिये।bd।

Singer – Nisha Soni
